कक्षा- VI

साहसी सुमेरा

1. सुमेर सिंह का बचपन कैसा था?

उत्तर- सुमेर का बचपन कोई फूलों की सेज न था। उसकी माँ का देहांत हो चुका था, पिता मेहनत मज़दूरी करके किसी तरह घर चलाते थे, परंतु वह सुमेर को बहुत प्यार करते थे।

2. सुमेरा ने घर, पढ़ाई और फल बेचने के काम में किस प्रकार का तालमेल बैठाया?

उत्तर- पिता को लकवा मार देने के कारण, घर की पूरी ज़िम्मेदारी सुमेरा पर पड़ गई। परंतु साहसी सुमेरा ने न तो हिम्मत हारी और न ही पढ़ाई छोड़ी।

वह बारह से पाँच तक स्कूल जाता, सुबह-शाम पिता की देख-भाल करता और बाकी समय सब्ज़ी और फल बेचकर कुछ पैसे कमाता।

3. सुमेरा राजा साहब से मिलने क्यों गया?

उत्तर- सुमेरा के पास सब्ज़ी- फल बेचने का लाइसेंस नहीं था अतः म्युनिसिपेल्टी की गाड़ी उसका सब सामान उठा कर ले गयी थी।

असहाय सुमेरा, राजा साहब के पास शिकायत करने गया था।

4. क्या आपको सुमेरा अच्छा लगा?

उत्तर- जी, मुझे सुमेरा बहुत अच्छा लगा क्योंकि वह साहसी व निष्ठावान था। वह मुश्किलों से जूझने का जज़्बा रखता था, हारना तो जैसे उसने सीखा ही नहीं था।

5. सुमेरा सच्चा और ईमानदार किस प्रकार बना?

उत्तर- अपने पिता द्वारा दी गयी अच्छी शिक्षा के कारण ही सुमेरा सच्चा और ईमानदार बना।

6.सुमेरा, मास्टरजी के पास पैसे माँगने क्यों गया?

उत्तर- फल या सब्ज़ी की दुकान लगाने हेतु सुमेरा को कुछ पैसों की आवश्यकता थी ताकि वह बेचने के लिए कुछ माल ख़रीद सके।

यही मदद माँगने वह मास्टरजी के पास गया था।

7. राजा साहब ने सुमेरा को सौ रुपये क्यों दिए?

उत्तर- राजा साहब सुमेरा के साहस और दृढ़ता से बेहद प्रभावित थे, इसीलिए उन्होंने लाइसेंस के साथ सुमेरा को सौ रुपये भी दिए जिससे वह अपना क़ारोबार थोड़ा विस्तृत कर सके।

8. सुमेर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर- वैसे तो सुमेर देखने में एक साधारण बच्चा था, पर उसमें निष्ठा, दृढ़ता व ईमानदारी कूट-कूट कर भरी हुई थी। कितनी ही मुश्किलें उसपर पड़ी, पर उसने हार नहीं मानी और अपने हक़ के किये लड़ा।

वह स्वाभिमानी था और अपने शिक्षक से भी पैसे उधार ही चाहता था, दान स्वरूप नहीं।

वह पितृभक्त था क्योंकि इतनी कठिन दिनचर्या में भी वह अपने पिता पर ध्यान अवश्य देता था। वह शिक्षा का महत्व समझता था और इतनी विपरीत परिस्थितियों में भी उसने पढ़ाई का त्याग नहीं किया।

अपनी हिम्मत और कोशिश से सुमेरा ने अपने घर के हालात बदले, कॉलेज तक पढ़ाई की, पक्का घर बनवाया व पिता का भी ईलाज करवाया।

सुमेरा इस सूक्ति को चरितार्थ करता है कि-

" कोशिश करने वालों की

कभी हार नहीं होती।"

◆निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए-

•आरम्भ- अंत

•खरीद- बेच/फ़रोख़्त

•ईमानदार- बेईमान

•हारना- जीतना

•डरपोक- साहसी

•उधार- नकद

◆दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

•कहानी- कथा, क़िस्सा

•दुनिया- विश्व, संसार

•पिता- पितृ, तात

•झूठ- असत्य, मिथ्या

•शाम- संध्या, गोधूलि

•समय- वक़्त, काल

•आवाज़- ध्वनि, स्वर

•सवेरा- सुबह, प्रातः

•सलाम- नमस्कार, आदाब

•आँख- नेत्र, नयन

◆बहुवचन बनाइये-

•लकीर- लकीरें

•आवाज़- आवाज़ें

•सड़क- सड़कें

•दुकान-दुकानें

•ख़बर- ख़बरें

•टोकरी- टोकरियाँ

•सब्ज़ी- सब्ज़ियाँ

•कॉपी- कॉपियाँ

•कहानी- कहानियाँ

•झुग्गी- झुग्गियाँ

◆भाववाचक संज्ञा बताइए-

•पुराना- पुरातन

•सच्चा- सच्चाई

•हिम्मती-हिम्मत

•बेहोश-बेहोशी

•ग़रीब-ग़रीबी

•पढ़ना-पढ़ाई

•रोना-रुलाई

•चलना-चाल

•सुनना- सुनाई

देना-लेना- देन-लेन